**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**02.04.2025 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 5154 का उत्तर**

**सकलेशपुर और सुब्रमण्य रोड घाट खंड का विद्युतीकरण**

**5154. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) सकलेशपुर और सुब्रमण्य रोड घाट खंड के बीच रेलवे विद्युतीकरण की वर्तमान स्थिति क्या है;**

**(ख) क्या विद्युतीकरण कार्य के पूरा होने के रास्ते में कुछ बाधाएं हैं जिसके कारण विलम्ब हो रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ग) उक्त विद्युतीकरण के पूरा होने की समय-सीमा क्या है;**

**(घ) क्या सरकार घाट खंड के विद्युतीकरण कार्य को पूरा होने पर कारवार/उडुपी को बेंगलुरु से जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू करने की लंबे समय से चली आ रही सार्वजनिक मांग पर विचार कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ङ) क्या घाट खंड की क्षमता में वृद्धि करने के लिए दक्षिण-पश्चिम रेलवे द्वारा अरेबेट्टा रेलवे स्टेशन का क्रासिंग स्टेशन के रूप में उन्नयन करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और**

**(च) अध्ययन की वर्तमान स्थिति क्या है और क्या इसके कार्यान्वयन के संबंध में कोई निर्णय लिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (च): दक्षिण पश्चिम रेलवे के सुब्रहमण्य रोड से शिरीबगिलु (14 मार्ग कि.मी.) तक और सकलेशपुर-दोनिगल (9 मार्ग कि.मी.) पर रेल विद्युतीककरण कार्य पूरा हो चुका है।**

**इसके अतिरिक्त, शेष खंड अर्थात् सकलेशपुर से सुब्रहमण्य रोड (55 मार्ग कि.मी.) के शिरीबगिलु-दोनिगल (32 मार्ग कि.मी.) घाट खंड में विद्युतीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है।**

**विद्युतीकरण परियोजना(ओं) का पूरा होना वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी क्लीयरेंस, अतिलंघनकारी उपयोगिताओं का अंतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक क्लीयरेंस, जलवायु संबंधी परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष स्थल पर वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना(ओं) के समापन समय को प्रभावित करते हैं।**

**वर्तमान में, करवार-बेंगलूरू क्षेत्र 2 जोड़ी गाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जाता है जबकि उडुपी-बेंगलूर क्षेत्र 3 जोड़ी गाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वंदे भारत सेवाओं सहित भारतीय रेल पर नई सेवाओं की शुरुआत यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन सतत् प्रक्रिया है।**

**किसी रेलवे स्टेशन का क्रासिंग स्टेशन में उन्नयन यातायात औचित्य, लाइन क्षमता उपयोगिता, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थितियों आदि के अध्यधीन है। स्थल की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए अरेबेट्टा रेलवे स्टेशन को क्रॉसिंग स्टेशन में अपग्रेड करने की जांच की गई है।**

*****